

आज निदित्वाक । १५/०७/२०२० को १.३० बजे से महाराष्ट्र के प्राचार्य प्रकाश जी प्रा. विविकाम नारायण रिंद (प्राचार्य) की अध्यक्षता में । १५/७/२०२० इन्होंने Quality of Assessment cell की घोषणा की है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य प्रवर्तित हुए हैं ।

१. प्रा. विविकाम नारायण रिंद, प्राचार्य - अध्यक्ष

२. डॉ. नवल पिंडी शर्मा, विभागाध्यक्ष

३. राणित विभाग, सदस्य प्रवर्तित ।

४. डॉ. रतीश शुभा, विभागाध्यक्ष

५. राजनीतिशास्त्र, वरीय प्रशासनिक

६. डॉ. असगर, उद्योग विभागाध्यक्ष - नौकरी और नियमन -

७. डॉ. रमेश कुमार, सहायक विभागाध्यक्ष, इतिहास -

८. डॉ. अमित शुभा, सहायक विभागाध्यक्ष - दृष्टिशास्त्र,

९. डॉ. राजीव रंजन, वरीय शिक्षक, वी.सी.ए. - सदस्य -

१०. डॉ. अमित शुभा, पाठ्यपाद, वरीय विभागाध्यक्ष - वी.सी.ए. - सदस्य -

११. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - सदस्य -

१२. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - नामित - भगवान्न

१३. डॉ. रवि शंकर - रामनी, वी.सी.ए. - नामित -

१४. डॉ. रवि शंकर - रामनी, वी.सी.ए. - नामित - Ravishankar

१५. डॉ. अनुष्ठान रिंद, डायरेक्टर, रिवाइझ, उमस - नामित -

१६. डॉ. राकेश शुभा - इयरेक्टर, रामनी, लोक्युलर

१७. डॉ. शति नगर, सीतानंदी - नामित

१८. डॉ. पंकज शुभा - डायरेक्टर, श्रीनगर - नामित

१९. डॉ. रामनी, रामनी, लोक्युलर - नामित

२०. डॉ. आलक्षण, रामनी, वी.सी.ए. - नामित -

२१. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - नामित -

२२. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - नामित -

२३. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - नामित -

२४. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - नामित -

२५. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - नामित -

२६. डॉ. अमित शुभा, विभागाध्यक्ष - नामित -

एजेन्ट द्वारा प्रतिकालपूर्वी अधिकारियों की विवादों पर विचार

प्रातान — सदस्योः मः पुराकाल्यम् का शौकिक रूप से
अवलीकन करते हुए इस संवेदन, अपनहित
दीमल-प्रकौप का शीघ्र-सम्पन्न भिदामः, समिति
प्राचा-अपस्थपा, वार्ड्रुप, वास्त्रम् का नवीनीकरण
आवश्यक भवति; की, अवलोकन साधन
कर्ष्णपुराकांड। इस वार्ड्रुपी, आदि की उपचार
से उन्नत करना सर्वसम्मत भित्ति लिया
जायन्ते इसके विधानपर्माणु के लिए प्राप्त
मनुष्योः अधिकृत किए गये।

संज्ञान-परमाणु परमाणु की व्यवस्था।

प्रक्ताण २ → सदृश्यः अनुभवेयः अता जीव गतिविधयो
जीविकारम् तथा भवनाल् विद्या बोल के
जग्य अरु आ भविक्षु इत्यामि तो ह सबसम्म
भवित्वम् जग्य शामा जिया व्यवहार देतु गतिविधय के
आचरण गतिविधय] तो विद्या बोल

प्रज्ञेन्द्रा-प्रृष्ठ-वदलते समय इस उत्तमाई की उत्तमिकायता है।

कृष्ण - अर्थात् 'सदृशो' ने 'सुन्दरमार्ह' कलासुं के मिट्टी
उत्तीर्ण उभी सावधानी की स्वीकारते हुए - परिसर में
उन वर्गीकरण - 'वर्ग काशी' में संख्या के बारे का लिखित
किया - ऐसे कमरा लग्जा - ॥ १० ॥ एमार्ह कलाप
के रूप में उन्नत करने का निष्ठाय लिया
इसके कृष्णान्वयन, तुम्हारी अधिकृत सहायक
उन विषयों लै परामर्श उल्लेख करता है उसे करने
के लिये भवित प्राचार और मार्गदर्शक की उन्नति

साम बेउक वी नामक है लमासु इडे।

उमसगं दिनोंका ११/१२/२०२१ की उद्देश्यों के अनुसार — प्राप्ति
प्राप्ति विविध सारांश की अवधारणा में आई थी।
२० सी. - सोल की सदस्यों की एवं उत्तराधिकार
उनाहुत बोल उत्तराधिकारी, जिसमें निम्न उल्लेख
सदस्यों की उपलिखित रूपी —

क्रम नाम हस्ताशय

१. प्रो. गिरिधर लाराप्पा सिंह — ~~Padmavati~~

२. डॉ. नवल किशोर शर्मा — ~~Naval Kumar~~

३. इन्द्रिय यादव — ~~Indriya Yadav~~

४. इन्द्र यादव — ~~Indra Yadav~~

५. इन्द्री राजीव यादव — ~~Indriya Yadav~~

६. इन्द्री अमित यादव यादव — ~~Indriya Yadav~~

७. इन्द्री राजीव यादव — ~~Indriya Yadav~~

८. इन्द्री अमित यादव यादव — ~~Indriya Yadav~~

९. इन्द्री अनीष यादव यादव — ~~Indriya Yadav~~

१०. श्री मनोज यादव यादव — ~~Manoj Yadav~~

११. श्री रवि यादव — ~~Ravi Yadav~~

१२. श्री मनोज यादव यादव — ~~Manoj Yadav~~

१३. श्री रवि यादव — ~~Ravi Yadav~~

१४. श्री चन्द्र शर्मा यादव — ~~Chandru Sharma~~

१५. श्री चन्द्र शर्मा यादव — ~~Chandru Sharma~~

१६. श्री चन्द्र शर्मा यादव — ~~Chandru Sharma~~

१७. श्री वाल्मीकी यादव (भाष्मित) — ~~Valmiki Yadav~~

सर्वप्रथम हस्तानीपरांतः प्राप्ति से यह बैठक ली
मिली तथा उपस्थितों की उपलिखिति से सदस्यों की अप्राप्ति
अपाराधिक वाराचा-ताचा अन्तर्गत निम्न के निम्न सदस्यों
की उपलिखिति नियमान्वयन के अनुसार दिया गया;

एवं — १. दिनोंका ११/१२/२०२० की बैठक की सिफीत

सुनिश्चित रूपान्वयन की अवधारणा में आई थी।

२. सम्पुष्टिकालानि लिखी लिखी सम्पुष्टि लिखी लिखी सम्पुष्टि

३. श्री चन्द्र शर्मा यादव की उपलिखिति निम्न उपलिखिति

४. श्री चन्द्र शर्मा यादव की उपलिखिति निम्न उपलिखिति

जिसके द्वारा शोध की जाती है। इसमें सब काम का लकड़ी का अभियान भिन्न भिन्न जगत् तथा प्राचीन ग्रन्थों की आधिकृत रूपरेखा।

द्वितीय-२ वर्ष में - कि प्राप्ति लेणा - ०५ - कि द्वितीयवर्षनं पूर्ण समय अभियंता का परामर्श

प्रतानि - २ - संदर्भों की प्राचार्यका संघर्षका समिति
के - लगा बाटा - ११ को अस्ति विभाग विभाग सु विभाग की
वाचा से अवगत लक्ष्मा वर्ग काला - ११-में कह
उत्तर जानी उस्ता है। उत्तर वी. वी. ए. वह बाटा ॥
ओप १८. के अप्पा तीन विभागों काला - ११ विभाग समिति
विभाग ओप के काला - ११ उत्तर विभाग का उस
की स्थाई विभाग विभाग समिति समिति
विभाग विभाग इसके विभाग विभाग विभाग
की आधिकृत विभाग विभाग ॥

स्टेनोग्राफी या अंग्रेजी में शब्दालय, आदि के लिए विभिन्न शब्दों का समूह होता है।

प्राताम् = ३ - सदृष्टिः नैः मध्यविद्यालम् ये अनुव.तत्त्व, हो
लो : एक नी योग्याकाला धारा च प्रत्याक्षोऽहं किंतु
लक्ष्यः ये वस्त्राणाम् विविष्ट-कर्त्ता कालः । ॥ अंगौ १०
ये अपरं कलने वाले अपना के सदृष्टे अतए-
सीढ़ी और तीन नीचे ओप तृप्ति अपरं धारा की
लक्ष्यः तल्ला वस्त्राणाम् सोजु च योग्याआः तृप्ति किंतु
कलने और अपनूदीटु कर्त्ता ये युक्त-सम्मत लिखिग
लिखा रामा । इसके लिए प्राताम् महादेव ने
अनुधिष्ठित लिखा रामा ।

एसेट्र-भृष्टविद्यालय नामोन्तर विद्यालय विद्यालय
कला इतिहासी शास्त्रादि। अंग्रेजाई ग्रन्थम् जीवमा
कारण एवं विद्या।

प्रथम आदि ले समर्पित चुनावी अधिकारक द्वारा करने
पर संसदीय व्यक्ति वीर्यी (इसके विषयन की
जिम्मेदार प्राचार्य मध्ये वो अधिकृत किया गया)

रजूल - ५ - भाविधालय में जामोहित विधायिका ने २४
अप्रूप के किए अपने जीवन विषय - उस जीवनता प्रदान करता।
प्रस्ताव - ६ - सदस्यों ने सर्वसमानि द्वारा समन्वयक - १५.
बदल रिशोप शर्मा की ~~कोरोना~~ कोरोना काल के समाप्त
होने पर - उसी अवस्थे का विवरण किया। साल
द्वारा इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय अधिकृतिवालों की
सहमति समाप्ति करने का आश्रु किया।

उत्तराखण्ड विधान सभा की विधायिका
समन्वयकार्यकाल की वीर्यी।

प्रस्तावना दिन
११.११.२०२१

अप्रूप